भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**राज्य सभा**

लिखित प्रश्न सं. 140

गुरूवार, 29 जनवरी, 2026/9 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**वन्यजीव एवं वन पर्यटन का संवर्द्धन**

**140 श्रीमती फूलो देवी नेतम:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में, विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में, वन्यजीव एवं वन पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं;

(ख) यदि हाँ, तो देश के विभिन्न राज्यों में, राज्य के बस्तर क्षेत्र सहित, पर्यटन की संभावनाओं का संवर्धन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) वन्यजीव एवं वन पर्यटन की खोज हेतु बस्तर क्षेत्र को पर्यावरणीय पर्यटन का प्रमुख गंतव्य बनाने के लिए क्या प्रस्तावित/कार्यान्वित उपाय किए गए हैं?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ग): इको पर्यटन एवं वन्यजीव पर्यटन सहित पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय केंद्रीय क्षेत्र की अपनी योजनाओं जैसे 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' के माध्यम से देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। केंद्रीय वित्तीय सहायता दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्यों एवं संघ राज्यक्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर प्रदान की जाती है। छत्तीसगढ़ राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी एवं उत्तरदायी पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से नया रूप दिया है।

राष्ट्रीय कार्यनीति में स्थायी पर्यटन के लिए पर्यावरणीय स्थिरता एक प्रमुख स्तंभ हैं, जिसे मंत्रालय द्वारा तैयार कर राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को परिचालित किया गया है। इस कार्यनीति के अनुरूप, पर्यटकों एवं पर्यटन संबंधी व्यवसायों को स्थायी पर्यटन प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए “ट्रैवल फॉर लाइफ” कार्यक्रम शुरू किया गया।

*****

**अनुबंध**

श्रीमती फूलो देवी नेतम द्वारा वन्यजीव एवं वन पर्यटन के संवर्द्धन के संबंध में दिनांक 29.01.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 140 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

**छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाएँ:**

| **क्र.सं.** | **परियोजना का नाम** | **स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)** |
|---|---|---|
| **क** | **स्वदेश दर्शन 1.0** | |
| i. | जशपुर - कुनकुरी - मैनपट - कमलेशपुर - महेशपुर - कुरदर - सरोधादादर - गंगरेल - कोंडागांव - नथियानवागांव - जगदलपुर - चित्रकूट - तीर्थगढ़ का विकास | 96.10 |
| | **कुल स्वीकृत लागत** | **96.10** |
| **ख** | **स्वदेश दर्शन 2.0** | |
| i. | भोरमदेव कॉरिडोर का विकास, कवर्धा | 145.99 |
| | **कुल स्वीकृत लागत** | **145.99** |
| **ग** | **चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)** | |
| i. | मयाली बगीचा का इको पर्यटन गंतव्य के रूप में विकास | 9.96 |
| | **कुल स्वीकृत लागत** | **9.96** |
| **घ** | **प्रशाद** | |
| i. | माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर, डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ का विकास | 48.44 |
| | **कुल स्वीकृत लागत** | **48.44** |
| **ङ** | **पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)** | |
| i. | चित्रोत्पला फिल्म सिटी का विकास | 95.79 |
| ii. | जनजातीय एवं सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र का विकास | 51.87 |
| | **कुल स्वीकृत लागत** | **147.66** |
| | **कुल केंद्रीय सहायता** | **448.15** |

*****